चार धाम यात्रा 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में देवी **गंगा की मूर्ति** को उनके शीतकालीन अधिष्ठान **मुखबा गाँव से गंगोत्री** ले जाकर **गंगोत्री मंदिर** की अनुष्ठानिक शुरुआत की गई।

- **मुख्य बिंदु:**
  - परंपरा के अनुसार, समारोह की शुरुआत देवी गंगा को पालकी पर बिठाने और मंदिर से बाहर निकालने से पहले उनकी प्रार्थना के साथ हुई।
  - तीर्थयात्रियों का प्रारंभिक जत्था ऋषिकेश से रवाना हुआ। धार्मिक हस्तियों और राजनीतिक नेताओं द्वारा विभिन्न समूहों को विभिन्न स्थानों से रवाना किया गया।
  - **केदारनाथ**, **गंगोत्री और** **यमुनोत्री** के द्वार अक्षय तृतीया (10 मई, 2024) को खुलेंगे तथा **बद्रीनाथ धाम** के द्वार 12 मई 2024 को खुलेंगे।

//
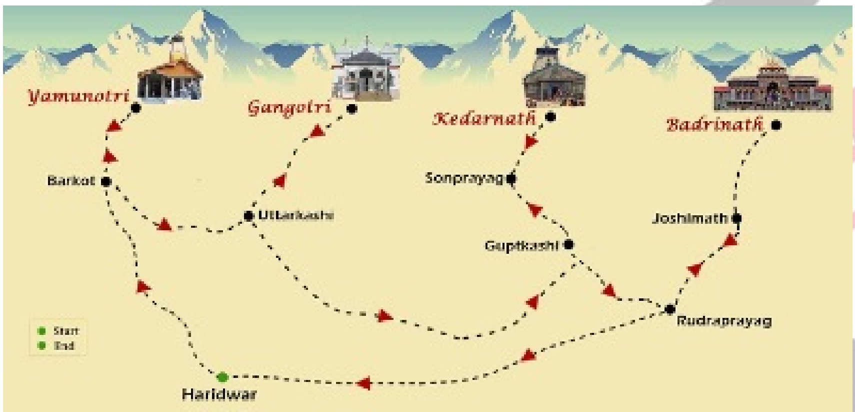

चारधाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना।
  - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित: भगवान शिव**।
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
  - भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - **पवित्र बद्रीनारायण मंदिर** का स्थान।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु।
  - **वैष्णवों** के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/char-dham-yatra-3